tions of Pâ*n*ini read: रु. 19.) ब्राह्मणा A. 20.) तत्स्वस्थान° A. तत्स्थान° MM. 21.) °रणां मयि ते कामधरणामभूदिति मयि ते पशवो the Brâhm. 22.) संपत्त्यर्थः A. 23.) against the Pada and the accent. आ belongs to अप्सु see Adhyâya VII. not. 22. 23. 24.) आपश्च A. MM. 25.) °सीत्येवं MM. 26.) here seems to be a lacuna in the mss., as the explanation of त्रिधा रोचने दिवः is wanting. 27.) दुष्टशिष्टा M. दुष्टशीक्ता MM. 28.) °णादेव यज्ञनान्नि° A. M. MM. 29.) स्यतिन्नूपस्यष्टो MM. 30.) सूम्नया A. B. सुम्नया C. K. J. Mahîdhara's text (E. I. H. 2479.) and the Brâhma*n*a. 31.) युङ्क्त is wanting in MM. 32.) पविर्धा° MM. Read with A. पवी धारा°. 33.) ओषधियुक्ताः A. 34.) ज्ञगङ्ज्ञननभ° MM. 35.) नह्विवृतिवृत्धीत्या° MM. see Adhyâya VI. not. 13. The editions of Pâ*n*ini read वृषि instead of वृधि nor do they enumerate रुध् amongst the verbs comprehended in the rule. 36.) I have not yet met with this rule. 37.) Yâska reads अथाप्यस्यां ताद्धितेन कृ°. 38.) sic! सनोतिः coni. 39.) आमयति MM. 40.) see Adhyâya VIII. not. 20. 41.) °स्तवोदितः MM. 42.) On account of the accent उप is here preposition, not adverb. 43.) व्लाशस्या° B. and Mahîdhara's text (E. I. H. 2479). 44.) °गद्रु° M. °दद्रु° MM. 45.) प्रतिदिशं is wanting in A. MM. it is taken from the mss. of Kâtyây. 46.) The Nigha*nt*u reads आनट्. 47.) लोकेष्टको° MM. 48.) आशीर्देवी MM. 49.) °पङ्क्तिः M. MM. °पङ्क्ती A. 50.) यज्ञापर्यात्तमन्नं A. यज्ञभपर्यात्त° MM. 51.) धनं A. 52.) The Pada reads मानुषा. 53.) मनुष्यज्ञानिषु° A. 54.) °षाट् A. 55.) The editions of Pâ*n*ini read इनिठ°. °दी यद्दा° - °शयेन म° is wanting in MM. 56.) तिष्ठंति A. 57.) °दिसिकतान्तो M. MM. 58.) M. and and MM add इति वेददीपे रुक्मोचनादिसिकताभिमन्त्रणान्तोऽध्यायः ॥. —

Read: pag. 352, 1 प्रयाणांमु°. 359, 12 [पा° ८.४.३ (9.).]. 364, 19 अग्ने. —

Adhyâya XIII. ka*nd*ik. १-५३ are explained in the Çatap. Brâhm. ७, ४, १, १-५, २, ६१. and ka*nd*ik. ५४-५८ in the same ८, १, १, ४-२, ९. - ka*nd*ik. १-५८ are quoted by Kâtyây. १७, ३, २७-६, ९. —